विषयानुक्रमणिका

अध्याय	नाम	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय	आयुष्कामीय	
1-5		
द्वितीय अध्याय	दिनचर्या वर्णन	16-29
तृतीय अध्याय	ऋतुचर्या वर्णन	30-44
चतुर्थ अध्याय	रोगानुत्पादनीय	45-53
पंचम अध्याय	द्रव द्रव्य विज्ञानीय	54-72
षष्ठ अध्याय	अन्न स्वरूप विज्ञानीय	73-110
सप्तम अध्याय	अन्न रक्षा विधि	111-125
अष्टम अध्याय	मात्राशितिय	126-138
नवम अध्याय	द्रव्यादि विज्ञानीय	139-147
दशम अध्याय	रस भेदीय	148-158
एकादश अध्याय	दोषादि विज्ञानीय	159-173
द्वादश अध्याय	दोषोपक्रमणीय	174-193
त्रयोदश अध्याय	दोषभेदनीय	194-204
चतुद्रश अध्याय	द्विविदोषक्रमणीय	205-213
पञ्चदश अध्याय	शोधनादिगण संग्रह	214-223
षोड़श अध्याय	स्नेह विधि	224-336
सप्तदश अध्याय	स्वेदन विधि	237-244
अष्टादश अध्याय	वमन विरेचन	245-258
एकोनविंश अध्याय	बस्ति विधि	259-277
विंशोध्याय	नस्य विधि	278-287
एकविंश अध्याय	धूमपान विधि	288-293
द्वाविंशति अध्याय	गण्डूषादि विधि	294-304
त्रयोविंशति अध्याय	आश्च्योतन अञ्जनादि विधि	305-312
चतुविंशति अध्याय	तर्पण पुटपाक विधि	313-320
पंचविंशति अध्याय	यन्त्र विधि	321-330
षडविंशति अध्याय	शस्त्र विधि	331-345
सप्तविंशति अध्याय	सिराव्यध विधि	346-357

अष्टविशंति अध्याय	शल्याहरण विधि	358-368
एकोनत्रिशति अध्याय	शस्त्र कर्म विधि	369-384
त्रिशोध्याय	क्षार अग्नि कर्म विधि	385-396

अध्याय १ आयुष्कामीय	पृ. सं.
अध्याय का सारांश	1
मंगलाचरण	1
ग्रन्थ का मन्तव्य	2
आयुर्वेद की उपयोगिता	2
आयुर्वेद परम्परा	3
ग्रन्थ रचना का उद्देश्य	3
आठ अंगों का नामादि वर्णन	3
वातादि दोष वर्णन	4
दोषों की स्थिति	4
दोषों से जठराग्नि स्थिति	4
दोषों से कोष्ठ की स्थिति	4
प्रकृति वर्णन	5
वात दोष के गुण	5
पित्त दोष के गुण	5
कफ के गुण	5
संसर्ग एवं सन्निपात दोष गुण	5
शरीर की धातु	5
शरीर के मल	6
दोष धातु एवं मलो की	
वृद्धि एवं ह्रास का कारण	6
छः प्रकार के रसों का वर्णन	6
दोषों पर रसों का प्रभाव	6
द्रव्यों के भेद	6
द्रव्यों की वीर्य शक्ति	6
द्रव्यों का विपाक	6
द्रव्यों के गुण	7
रोग एवं आरोग्य के कारण	7
रोगों के सामान्य कारण	7
रोगों के भेद	8
रोगों का आश्रय या अधिष्ठान	8
मन के दो दोष	8
त्रिविधि रोग परीक्षा	8
रोग परीक्षा के पांच उपाय	8
भूमि एवं शरीर भेद से देश वर्णन	8
औषध भेद	8
जांगल, आनूप साधारण	9
काल के भेद	9
औषध के भेद	9
शारीरिक दोषों की परमौषध	9
मानस रोगों की परमौषध	9
चिकित्सा के चार पाद (चिकित्सा चतुष्पाद)	10
उत्तम वैद्य लक्षण	10
उत्तम औषध के गुण	10
रोगी के गुण	10
परिचारक के गुण	10
साध्यासाध्यादि लक्षण	10
सुखसाध्य लक्षण	10
कृच्छ्रसाध्य लक्षण	11
याप्य रोग के लक्षण	11
अनुपक्रम के लक्षण	11
साध्य लक्षणों वाला होने	
पर भी चिकित्सा के अयोग्य	11
सूत्रस्थान के अध्यायों का नाम	12
शारीर स्थान के अध्याय	12
चिकित्सा स्थान के अध्याय	13
कल्पसिद्धि स्थान के अध्याय	13
उत्तर स्थान के अध्याय	13
अध्याय विषय तालिका	13-14
अध्याय के सम्भावित प्रश्न	15
अध्याय २ दिनचर्या वर्णन	
अध्याय का सारांश	16-17
ब्राह्म मुहूर्त में जागरण	18
दन्तधावन	18
दातुन करने के अयोग्य	18
अञ्जन के गुण	19
स्रावणार्थ रसांजन	19
नस्यादि प्रयोग	19
ताम्बुल निषेध	19
तैल मर्दन के गुण	19

तैल मर्दन निषेध	19
व्यायाम के गुण	19
व्यायाम के अयोग्य	20
व्यायाम का प्रमाण एवं समय	20
व्यायाम की ऋतु	20
व्यायाम के पश्चात् कर्म	20
अतिव्यायाम से रोगोत्पत्ति	20
व्यायामादि अन्य अति श्रम से हानि	20
उबटन के गुण	20
स्नान के गुण	21
उष्ण जल के गुण	21
स्नान का निषेध	21
भोजन काल एवं अन्य करणीय कार्य	21
सुख साधक धर्म प्रशंसा	21
मित्र एवं शत्रुओं से व्यवहार	22
दशविध पाक कर्म	22
मनुष्यों के कर्तव्य	22
देवादि के प्रति सद्भाव	22
परोपकारिता एवं मानसिकता	22
परस्पर भाव विशेषता	23
व्यवहार कुशलता	23
इन्द्रिय निग्रह	23
समुचित कार्य योजना	23
क्षौरकर्म एवं वेगादिधारण	23
मणिरत्नादि धारण	24
रात्रि जागरण	24
राह चलने के नियम	24
सन्देह वाली वस्तु का त्याग	24
छींक के नियम	24
शारीरिक चेष्टाएं	24
थकान से पहले छोड़ने वाले कर्म	25
रात्रि एवं दिन का निवास	25
अन्य सावधानियां	25
मद्यादि का सर्वथा निषेध	25
त्याज्यों का उल्लेख	25
त्याज्य कुछ अनिष्ट	26
लोकाचार	26
सदव्रत	26
धर्माचरण का मूल्यांकन	26
सदाचरण का परिणाम	26
दिनचर्या अध्याय संक्षिप्त वर्णन	27–29
अभ्यास के संभावित प्रश्न	29
अध्याय ३ ऋतुचर्याध्याय	
अध्याय का सारांश	30–31
षड्ऋतु वर्णन	32
अयन वर्णन	32
उत्तरायण काल	32
मार्ग स्वभाव	32
दक्षिणायन काल	33
प्राणियों का बल	33
हेमन्त में जठराग्नि प्रबलता का कारण	33
हेमन्तचर्या	
वातघ्न तैलों का मर्दन	33
हेमन्त में स्नान एवं अनुलेपन	34
आहारविधि	34
ऊनी एवं मोटे वस्त्रधारण	34
हेमन्त योग्य नारियां	34
उष्ण गृह सेवन	34
शिशिर ऋतुचर्या	34
वसन्त ऋतुचर्या	
कफशामक प्रक्रिया	35
आसवारिष्ट पान	35
जलपान विधान	35
वसन्त में आराम योग्य स्थान	35
वसन्त में वर्ज्य पदार्थ	36
ग्रीष्म ऋतुचर्या	
ग्रीष्म में अवश्यकरणीय	36
ग्रीष्म में मद्य निषेध	36
ग्रीष्म में आहार	36
जलपान	37
ग्रीष्म में मध्याह्न निवास	37
थकान हरने वाले साधन	38
वर्षा ऋतुचर्या	
वर्षा में शोधनादि उपचार	38
विशेष पालनीय नियम	39
वर्षा में अपथ्य	39
शरद ऋतुचर्या	
पित्त शान्ति के उपाय	39

शरद् में आहार 39
हंसोदकपान 39
शरद में साध्य सेवनीय एवं निषेध 40
संक्षेप में छः ऋतुचर्या (रसों का उपयोग) 40
अन्य प्रयोग 40
सर्वदा सेवनीय 40
ऋतु सन्धिकाल 40
अध्याय की विषय तालिका 41
अध्याय के संभावित प्रश्न 41
संवत्सर तालिका 42
संक्षिप्त ऋतुचर्या 42–44
अध्याय ४ रोगानुत्पादनीय
अध्याय का सारांश 45
अधारणीय वेग 46
अधोवायु अवरोध से रोग एवं चिकित्सा 46
मलवेगावरोध से 46
मूत्रवेग अवरोध 47
वात, मल एवं मूत्र वेगावरोध चिकित्सा 47
मल वेगावरोध चिकित्सा 47
उद्गारवेगावरोध जन्य रोग एवं चिकित्सा 47
तृष्णा वेगावरोध जन्य विकार 48
छिक्कावरोध जन्य रोग एवं चिकित्सा 48
तृष्णा वेगावरोध जन्य विकार 48
क्षुधावेगावरोध जन्य रोग एवं चिकित्सा 48
निद्रावेगावरोध जन्य विकार एवं चिकित्सा 48
कासावरोध जन्य रोग एवं चिकित्सा 48
श्रमश्वासावरोधज विकार एवं चिकित्सा 48
जृम्भावेगावरोधज विकार एवं चिकित्सा 48
अश्रुवेगावरोधज विकार एवं चिकित्सा 49
वमन वेगावरोधज विकार एवं चिकित्सा 49
शुक्रवेग अवरोधज उपद्रव एवं चिकित्सा 49
वेगावरोधज रोगों की असाध्यता 49
वेगावरोध का सामान्य चिकित्सा सूत्र 50
धारणीय (रोकने योग्य) वेग 50
मल शोधक उपाय 50
शोधन से लाभ 50
रसायन वृष्य योग 50
संशोधन पश्चात् कर्म 50
आगन्तुज रोग 51
रोगोपचार 51
मलों का शोधन काल 51
स्वस्थ के लक्षण 51
अध्याय विषय तालिका 52–53
अध्याय के सम्भावित प्रश्न 53
अध्याय ५ द्रव द्रव्य विज्ञानीय
अध्याय का सारांश 54
तोय वर्ग वर्णन 55
गंगा जल के गुण 55
ऐन्द जल 55
पश्चिम प्राच्यादि नदियों का जल 56
जलपान विधि 57
गर्भ जल के गुण 57
क्वथित एवं पर्युषित जल 57
नारियल जल 58
अन्तरिक्ष जल 58
दुग्धादि वर्ग (दुग्ध के भेद) 58
सामान्य लक्षण 58
गाय के दूध के गुण 58
भैंस का दूध 58
बकरी का दूध 59
ऊंटनी का दूध 59
स्त्री दुग्ध 59
भेड़ का दूध 59
हथिनी का दूध 59
घोड़ी का दूध 59
कच्चे दूध के गुण 59
धारोष्ण दूध 60
दधि के गुण 60
छाछ के गुण 60
मस्तु के गुण 60
नवनीत 61
घृत के गुण 61
पुराना घी 61
किलाट के गुण 61
श्रेष्ठ दूध एवं घी 61
इक्षु वर्ग 62
गन्ने के गुण 62
पौण्ड्रक ईख के गुण 62

शत पर्व का क्रन्तार एवं नेपाल भेद 62
फाणित के गुण (शक्कर) 62
गुड़ के गुण 63
मत्स्यण्डिका 63
यास शर्करा 63
मधुवर्ग 63
मधु के गुण 63
मधु शर्करा 63
उष्ण मधु के गुण 64
तैल वर्ग 64
तैल के सामान्य गुण 64
एरण्ड तैल 64
सरसों का तैल 64
विभीतक तैल 64
नीम का तैल 65
अलसी एवं कुसुम्भ का तैल 65
वसा मज्जा के गुण 65
मद्य वर्ग 65
मद्य के गुण 65
नवीन मद्य 65
मद्यपान निषेध 65
सुरा के गुण 65
वारुणि के गुण 66
बहेड़े की मद्य 66
जौ की सुरा 66
अरिष्ट के गुण 66
अंगूर सुरा 66
गुड़ सुरा 66
शाली चावल की मद्य के गुण 66
सीधू 67
मधुमद्य 67
मध्वासव 67
शुक्त के गुण 67
गुड़शुक्त 67
आसुत 67
शाण्डाकी 67
धान्याम्ल के गुण 67
मूत्रवर्ग 68
गवादि अष्ट के मूत्र के गुण 68
अध्याय का सांराश 68
अध्याय की विषय तालिका 68–71
सम्भावित प्रश्न 72
अध्याय ६ अन्नपान स्वरूप विज्ञानीय
अध्याय का सारांश 73
शूकधान्य वर्ग
चावलों के भेद 74
रक्तशाली (लाल चावल) 74
रक्तशाली की श्रेष्ठता 74
षष्टिकशाली (सांठी चावल) 75
अन्य चावल अवर, श्रेष्ठता 75
पाटल वर्ग के गुण 75
तृणधान्य 75
कोदों 75
प्रियंगु 75
जौ के गुण 75
बंश जौ 76
गोधूम (गेहूं) 76
शिम्बी धान्य वर्ग
शिम्बी धान्य वरावरता 76
मूंग, कुलत्थ एवं राजा के गुण 76
निष्पाद के गुण 77
उड़द के गुण 77
कौंच के गुण 77
तिल के गुण 77
अलसी, कुसुम्भ के गुण 77
हीन गुण वाले धान्य 77
नया पुराना धान्य 77
तान्न वर्गकृतान्न
मण्ड, विलेपी, पेया एवं ओदन (भात)के गुण 78
मांस रस के गुण78मूंग यूष के गुण 78
कुलथी यूष के गुण 79
तिल पदार्थ (गुरु द्रव्य) 79
रसाला के गुण 79
पानक के गुण 79
धान की खील 79
पृथुक (चिवड़ा) 79
धाना (भुनि मक्की, जौ, ज्वार) के गुण 79
सत्तू के गुण 80

पिण्याक के गुण	80
बेसवार के गुण	80
अपूप (रोटी, पूए) के गुण	80
मांसवर्ग	
मृगों (पशुओं) के नाम	81
विष्किरों के नाम	81
प्रतुदों के नाम	81
विलेशयों के नाम	81
प्रसहों के नाम	81
महामृग	81
जलचर जीव	82
मछली वर्ग	82
भेड़, बकरी अनिश्चित योनि	82
जांगल मांस के गुण	82
खरगोश का मांस	82
बटेर का मांस	83
मोर, मुर्गादि का मांस	83
क्रकर एवं उपचक्र का मांस	83
काण कबूतर मांस	83
चटक मांस	83
विलेशयादि का मांस	83
महामृगादि का मांस	83
भेड़ का मांस	84
बकरे का मांस	84
गोमांस	84
भैंस का मांस	84
सूकर मांस	84
मछली का मांस	84
सर्वोत्तम मांस	84
खाने योग्य मांस	85
निंद्यमांस	85
नरमादा का गुरु लघु मांस	85
शाकवर्ग	
शाकों के गुण	85
मकोय शाक	86
चांगेरी	86
पटोल (परवल)	86
दोनो कटेरी	86
वासा	86
करेला	86
बैंगन	87
करील	87
तोरई एवं बाबची के गुण	87
चौलाई	87
मुञ्जातक	87
पालक व पोई	87
चञ्चू	87
विदारी	87
जीवन्ती	87
कूष्माण्ड, तुम्बी	88
तरबूज, ककड़ी आदि के गुण	88
बेल वाले फल लौकी आदि	88
मृणाल (कमल नाल)	88
कदम्ब पुष्पादि के गुण	88
स्विन्न निष्पीड़ित शाक के गुण	89
चिल्ली शाक	89
तर्कारी शाक	89
पुनर्नवा, काल शाक	89
चिरबिल्व	89
शतावरी	89
बांस के अंकुर	89
पत्तूर शाक	89
कासमर्द	89
कुसुम्भ शाक	90
सरसों का शाक	90
कच्ची मूली के गुण	90
पक्की मूली के गुण	90
शुष्क मूलक गुण	90
पिण्डालु	90
कुठेरक, शिंग्रु आदि के शाक	90
तुलसी एवं सुमुख शाक	91
हरे धनियें के गुण	91
लशुन के गुण	91
प्याज के गुण	91
सलजम के गुण	91
सूरण कन्द के गुण	91
भूकन्दम्ब	91
पत्रादि के शाक	92

वरावत्वता	92
फलवर्ग	
दाख के गुण	93
अनार के गुण	93
केला, खजूरादि फलों के गुण	93
ताल फलादि के गुण	93
प्रियाल (चिरोंजी) के गुण	93
बेल के गुण	93
कपित्थ के गुण	93
जामुन के गुण	93
आम के गुण	94
वृक्षाम्ल के गुण	94
शमीफल के गुण	94
पीलु के गुण	94
बिजौरा के गुण	94
भिलावे के गुण	94
पालेवतादि के गुण	95
आड़ू के गुण	95
दाख, फालसे एवं करौदों के गुण	95
कोलादि खट्टे फलों के गुण	95
इमली एवं बेर के गुण	95
लकुच के गुण	95
त्याज्य फल शाकादि	95
नमक वर्ग	
सैन्धा नमक	96
सोवर्चल नमक	96
बिड़ नमक	96
सामुद्र नमक	96
उद्भिद् नमक	97
काला नमक	97
रोमक पांशुज नमक	97
नमक नाम से सैन्धव प्रयोग	97
यवक्षार	97
क्षारों के गुण	97
औषध वर्ग	
हींग के गुण	97
हरड़ के गुण	98
आंवला गुण	98
बहेड़ा गुण	98
त्रिफला गुण	98
त्रिजात चतुर्जात के गुण	98
काली मरिच के गुण	99
पिप्पली के गुणृ	99
सौंठ के गुण	99
अदरक के गुण	99
चव्य एवं पीपलामूल के गुण	99
चित्रक के गुण	99
पंचकोल गुण	100
बृहत्पंचमूल के गुण	100
लघु पंचमूल के गुण	100
मध्यम पंचमूल के गुण	100
जीवन पञ्चमल के गुण	100
तृणपंचमूल	100
अध्याय का उप-संहार	101
अध्याय की विषय तालिका	101-110
अध्याय के संभावित प्रश्न	110
अध्याय ७ अन्न रक्षा विधि	
अध्याय का सारांश	111
वैद्य की नियुक्ति एवं कर्तव्य	112
विषाक्त भात के लक्षण	112
विषाक्त व्यञ्जन परीक्षा	112
विषाक्त मांसादि के लक्षण	113
विषदाता के लक्षण	113
विषाक्त अन्न को अग्नि परीक्षा	114
पशु पक्षियों द्वारा विषाक्त अन्न परीक्षा	114
विषाक्त भोजन स्पर्श हानि	114
मुख में गये विष के लक्षण	115
आमाशय पक्वाशय में	115
गये विष के लक्षण	115
विषनाशक उपाय	115
विष में स्वर्ण का प्रभाव	115
विरुद्ध भोजन विष तुल्य	116
विरुद्ध आनूप मांस	116
दूध के साथ अम्ल विरोधी	116
विरुद्ध मांस प्रयोग से हानि	116
स्नेहादि विरुद्ध	117
शूल्यमांस	117
दूध विरुद्ध कृशरादि	117

शहद घृतादि विरुद्ध 117
तिल कल्क उपोदिका 117
बगुला मांस एवं मद्य 117
तित्तर मांस 118
हरियल पक्षी मांस 118
विरुद्ध अन्न पानादि शमन 118
विरूद्ध भोजन योग्य व्यक्ति 118
सात्म्यत्याग विधि 118
सहसापथ्यापथ्य त्याज्य का परिणाम 119
दीर्घायु विधान 119
आहार योजना 119
निद्रा का महत्व 119
अकाल निद्रा का दुष्परिणाम 119
ग्रीष्म में निद्रा प्रयोग 120
ग्रीष्म में दिवास्वप्न निषेध 120
असमय सोना हानिकर 120
अतिनिद्रा का उपचार 121
निद्रा का समय 121
अनिद्रा में हितकर पदार्थ 121
ब्रह्मचर्य 121
असंयोग्य स्त्री 122
स्त्री संयोग काल 122
अनियमित स्त्री प्रसंग से हानि 122
नियमित स्त्री प्रसंग से लाभ 122
स्त्री प्रसंग के बाद सेवनीय 122
अध्याय की विषय तालिका 123-125
सम्भावित प्रश्न 125
अध्याय ८ मात्राशितीय
अध्याय का सारांश 126
आहार मात्रा 127
गुरु लघु द्रव्य मात्रा 127
अल्प भोजन ग्रहण से हानि 127
अतिमात्रा में ग्रहण आहार से हानि 127
अजीर्ण भोजन का फल 127
अलसक एवं विसूचिका उपद्रव 127
अलसक 128
दण्डालसक 128
आमविष 129
अलसक उपचार 129
विसूचिका उपचार 129
अजीर्ण उपचार 129
अजीर्ण में औषध सेवन काल 129
आमदोषोपचार 130
पथ्य प्रकार 130
अन्य रोगों की चिकित्सा 130
अजीर्ण प्रकार एवं लक्षण 130
विष्टब्धा जीर्ण 131
विदग्धा जीर्ण 131
तीनों की चिकित्सा 131
बिलम्बिका 131
रस शेषाजीर्ण 131
अजीर्ण लक्षण 131
अजीर्ण के अन्य कारण 132
समशन 132
अध्यशन 132
विषमासन 132
समुचित भोजन विधि 132
त्याज्य भोजन 133
किलाटादिका निषेध 133
खाने योग्य पदार्थ 133
नेत्रों हेतु हितकर पदार्थ 133
भोजन का क्रम 133
भोजन का प्रमाण 134
अनुपान 134
अनुपान व्यवस्था 134
अनुपान का फल 134
अनुपान के अयोग्य 135
पान के योग्य 135
भोजन का समय 135
अध्याय की विषय तालिका 136-137
सम्भावित प्रश्न 138
अध्याय ९ द्रव्यादि विज्ञानीय
अध्याय का सारांश 139
द्रव्यों की प्रधानता 140
द्रव्यों का भौतिकत्व 140
रसानुरस वर्णन 140
रसों के गुण 140
पार्थिव द्रव्य की भौतिक पहचान 141

जलीय द्रव्य 141
आग्नेय द्रव्य 141
वायव्य द्रव्य 141
आकाशीय द्रव्य 141
वीर्य वर्णन 142
वीर्य विपाक चरक का मत 142
द्विविध वीर्य 142
वीर्यों के गुण 143
विपाक लक्षण 143
विपाक के कार्य 143
रसादि की श्रेष्ठता 144
प्रभाव वर्णन 144
सामान्य एवं विचित्र प्रत्ययारब्ध के उदाहरण 145
अध्याय की तालिका 145–147
सम्भावित प्रश्न 147
अध्याय १० रसभेदीय
अध्याय का सारांश 148
रसों की महाभौतिक उत्पत्ति 149
रसों के लक्षण एवं कर्म 149
मधुर रस के लक्षण 149
अम्ल रस के लक्षण 149
लवण रस के लक्षण 149
तिक्त रस लक्षण 149
कटु रस लक्षण 150
कषाय रस लक्षण 150
मधुर रस के कर्म 150
अम्ल रस के कर्म 150
लवण रस के कर्म 151
तिक्त रस के कर्म 151
कटु रस के कर्म 151
कषाय रस के कर्म 151
षड़रस वर्ग वर्णन 152
मधुर वर्ग के द्रव्य 152
अम्ल गण के द्रव्य 152
लवण गण के द्रव्य 152
तिक्त गण के द्रव्य 153
कषाय गण के द्रव्य 153
मधुर द्रव्यों के गुण 153
अम्ल द्रव्यों के गुण 153
लवण द्रव्यों के गुण 153
तिक्त एवं कटु रस वालें द्रव्यों के गुण 153
कषाय द्रव्यों के गुण 154
रसयुक्त द्रव्यों की गुणागुणता 154
रसों का विभाजन (रसों की सख्या) 154
संयोग भेद 154
दो रस वाले द्रव्य 154
तीन रसों का संयोग 155
चार रसों का संयोग 155
पांच रसों के संयोग 155
पृथक पृथक रस 1556
रसों का संयोग 155
अध्याय विषय तालिका 156–157
सम्भावित प्रश्न 158
अध्याय ११ दोषादि विज्ञानीय
अध्याय का सारांश 159–160
दोषादि के प्राकृत कर्म 161
वात के प्राकृत कर्म 161
पित्त के प्राकृत कर्म 161
कफ के प्राकृत कर्म 161
धातुओं के प्राकृत कर्म 161
मलों के कर्म 162
बढ़े हुए दोषों के कर्म 162
वात वृद्ध के लक्षण 162
पित्त वृद्ध के लक्षण 162
कफ वृद्ध के लक्षण 162
वृद्ध धातुओं के लक्षण 162
वृद्ध रस के लक्षण 162
वृद्ध रक्त के लक्षण 163
वृद्ध मांस के लक्षण 163
वृद्ध मेद के लक्षण 163
वृद्ध अस्थि के लक्षण 163
वृद्ध मज्जा के लक्षण 163
वृद्ध वीर्य के लक्षण 163
बढ़े हुए मलों के लक्षण 163
क्षीण दोष, धातु एवं मलों के लक्षण 164
वातक्षीण के लक्षण 164
पित्तक्षीण के लक्षण 164
कफ क्षीण के लक्षण 164

क्षीण धातुओं के लक्षण 164
रस क्षीण के लक्षण 164
रक्तधातु के क्षय के लक्षण 164
मांसधातु क्षय के लक्षण 164
मेदाक्षय के लक्षण 164
अस्थि धातु के क्षय लक्षण 164
मज्जा धातु क्षय के लक्षण 165
शुक्र धातु क्षय के लक्षण 165
क्षीण मलों के लक्षण 165
पुरीष क्षय के लक्षण 165
मूत्र क्षय के लक्षण 165
स्वेद क्षय के लक्षण 165
घ्राणादि शारीर मलों के लक्षण 165
दोषधातु एवं मलों के क्षय 165
वृद्धि प्रक्रिया 166
दोष धातुओं का आश्रयी आश्रयभाव 166
रक्तादि वृद्धक्षय की चिकित्सा 166
मलों की वृद्धि क्षय चिकित्सा 167
दुषित दोषों से धातु मल विकृति से रोगोत्पत्ति 168
ओज वर्णन 168
ओज क्षय हेतु, लक्षण एवं चिकित्सा 169
वृद्धि लक्षण एवं चिकित्सा 169
दोष क्षय वृद्धि के अनुसार कर्म 169
दोष सम रखना 169
अध्याय की विषय तालिका 170-173
संभावित प्रश्न 173
अध्यायय १२ दोष भेदनीय
अध्याय का सांराश 174-175
वात के प्रमुख स्थान 176
पित्त के प्रमुख स्थान 176
कफ के प्रमुख स्थान 176
वात के पांच भेद एवं कर्म 176
प्राण के कर्म 176
उदान के कर्म 177
व्यान के कर्म 177
समान के कर्म 177
अपान के कर्म 177
पित्त के भेद एवं कर्म 177
पाचक पित्त के कर्म 177
रंजक पित्त के कर्म 178
साधक पित्त के कर्म 178
आलोचक पित्त के कर्म 178
भ्राजक पित्त के कर्म 178
श्लेष्मा के पांच प्रकार 178
अवलम्बक कफ के कार्य 178
क्लेदक कफ के कर्म 178
बोधक कफ के कर्म 178
तर्पक कफ के कर्म 178
श्लेष्क कफ के कर्म 178
वातादि दोषों का संचयादिकाल एवं कारण 179
चय के लक्षण 179
वात के संचय प्रकोप शमन 179
पित्त के संचय प्रकोप शमन 179
कफ के संचय प्रकोप शमन 180
दोषों का संचय काल में प्रकोप क्यों नहीं होता 180
संचयादि के अन्य कारण 180
दोषों की व्याप्ति एवं निवृति 180
दोषों के प्रकोपक कारण 180
हीनमिथ्यादि योग वर्णन 181
काल वर्णन 182
कर्म वर्णन एवं कर्म त्र्यैविध्य 182
रोगोत्पादक कारण एवं रोग मार्ग 182
वृद्ध वात दोष के कर्म 183
वृद्ध पित्तदोष के कर्म 183
वृद्ध कफ दोषक र्म 183
रोगी निरीक्षण में तत्परता 184
रोगी की बार बार परीक्षा का कारण 184
व्याधि के भेद 185
तीनो भेदों के विकृति हेतु का परिचय 184
त्रिविध रोग चिकित्सा 184
व्याधि के अन्य दो भेद 185
स्वतन्त्र एवं परतन्त्र के लक्षण 185
परतन्त्र व्याधि चिकित्सा सूत्र 185
अनाम रोग में वैद्य का कर्तव्य 185
दोषों की रोग कारणता एवं चिकित्सा 185
रोग की दशविध परीक्षा 186
गुरु एवं लघु व्याधि ज्ञान 186
वैद्य का कर्तव्य 187

दोषों की वृद्धि क्षय के 63 भेद 187
वृद्धि क्षय के 25, 25 भेद 188
रस रक्तादि धातु एवं मलों के भेद 189
अध्याय की विषय तालिका 190–192
अध्याय के सम्भावित प्रश्न 193
अध्याय १३ दोषोपक्रमणीय
अध्याय का सारांश 194–195
वात शामक उपक्रम 196
पित्त शामक उपक्रम 197
कफशामक उपक्रम 197
सन्निपात शामक उपक्रम 197
द्विदोषज उपक्रम 198
दोष उपचार काल 198
चिकित्सा की शुद्ध प्रक्रिया 198
प्रकुपित दोषों का शाखा गमन 198
शाखा दोषों को कोष्ठ में लाना 198
कोष्ठगत दोषों के कर्म 198
अन्य स्थानगत दोषों की चिकित्सा 199
आगन्तुक दोष 199
तिर्यक गति वाले दोषों का उपक्रम 199
साम निराम दोषों के लक्षण 199
आम के लक्षण 199
अन्य मत 200
साम शब्द का अर्थ 200
साम निर्हरण निषेध 200
सामदोष निर्हरण उपक्रम 200
सुखमय निर्हरण मार्ग 200
निर्हरण की स्थिति में रोकना वर्जित 201
दोष शोधन काल 201
शोधन निषेध 201
अन्य शोधाकाल 201
औषध सेवन काल 201
रोग एवं बलानुसार औषध 202
अध्याय की विषय तालिका 203–204
सम्भावित प्रश्न 204
अध्याय १४ द्विविधोपक्रमणीय
अध्याय का सारांश 205
द्विविध उपक्रम (उपचार भेद) 206
महाभौतिक संगठन 206
स्नेहादि कर्मों का दोषों में अन्तर्भाव 206
अपतर्पण भेद शोधन एवं शमन 206
शोधन के लक्षण एवं भेद 207
शमन के लक्षण एवं भेद 207
बृंहण योग्य व्यक्ति 207
बृंहण द्रव्य एवं कर्म 207
लंघन योग्य व्यक्ति 207
शोधन शमन योग्य रोगी 208
बृंहित के लक्षण 208
लंघित के लक्षण 208
बृंहण एवं लंघन के हीनातियोग 209
अति बृंहण से हानि 209
सामान्य चिकित्सा सूत्र 209
आहार एवं औषध 209
विडंगादिलौह 209
व्योषादियोग का फल 210
अतिलंघन जन्य विकार 210
स्थूलता से कृशता श्रेष्ठ 210
कृशता की चिकित्सा 210
देह पोषण में मांस का महत्व 211
स्थूल एवं कृश की चिकित्सा 211
द्विविध उपक्रम 211
अध्याय की विषय तालिका 212
सम्भावित प्रश्न 213
अध्याय १५ शोधनादिगण संग्रह
अध्याय का सारांश 214
मदनादिछर्दन गण 215
विरेचक गण 215
निरूहणोपयोगी गण 215
शिरोविरेचन गण 216
वात नाशक गण 216
पित्त नाशक गण 216
कफ नाशक गण 216
जीवनीय गण 216
विदार्यादि गण 216
सारिवादि गण 217
पद्मकादि गण 217
परुषकादि गण 217
अञ्जनादि गण 217

पटोलादि गण 217
गुडूच्यादि गण 217
आरग्वधादि गण 217
असनादि गण 218
वरुणादि गण 218
ऊषकादि गण 218
वीरतरवादि गण 218
लोध्रादि गण 219
अर्कादि गण 219
सुरसादि गण 219
मुस्कादि गण 219
वत्सकादि गण 219
वचादि गण 220
हरिद्रा गण 220
प्रियंगणादि गण 220
अम्बष्ठादि गण 220
मुस्तादि गण 220
न्यग्रोधादि गण 220
एलादि गण 221
श्यामादि गण 221
गणों के अभाव में प्रतिनिधि द्रव्य वर्णन 221
वर्ग द्रव्यों के पानादि प्रकार से रोग 221
नाशक कर्म निरूपण 221
अध्याय की विषय तालिका 222
सम्भावित प्रश्न 223
अध्याय १६ स्नेह विधि
अध्याय का सारांश 224-225
स्नेह एवं रूक्षण स्वरूप 226
चतुर्विध स्नेह 226
घृत की प्रधानता 226
चारों स्नेहों के गुण 226
यमक स्नेहादि का वर्णन 226
स्नेहन योग्य 227
स्नेहन के अयोग्य 227
चारों स्नेहों के योग्य 227
तैलादि स्नेह सेवन काल 228
स्नेहन कर्म का काल 228
स्नेह सेवन विधि 228
स्नेह की 64 प्रविचारणा 229
अच्छ स्नेह 229
स्नेह की त्रिविध मात्रा 229
उत्तम मात्रा प्रयोग 229
मध्यम मात्रा 229
ह्रस्व या अल्प मात्रा 229
बृंहण स्नेहपान योग्य (ह्रस्व मात्रा) 229
स्नेह का फल 230
विविध स्नेहों के अनुपान 230
उत्तम स्नेहपान में पथ्य 230
शमन स्नेहपान उपचार 231
स्नेहपान की अवधी 231
सम्यक् स्निग्ध के लक्षण 231
अस्निग्ध लक्षण 231
अतिस्निग्ध लक्षण 231
मिथ्यायोग 231
मिथ्यायोग व्यापद चिकित्सा 232
विरुक्षण लक्षण 232
स्निग्ध के पश्चात् स्वेदन 232
मांसलों की विरुक्षण विधि 232
बालवृद्धादि में स्नेह विधि 232
सातसद्य स्नेह योग 233
लवण प्रयोग 233
वर्जित योग 233
कुष्ठादि स्नेह कल्प 233
व्याधि क्षीण पुरुषों के लिए स्नेह योग 233
स्नेह सेवन से लाभ 233
अध्याय की विषय तालिका 234-236
सम्भावित प्रश्न 236
अध्याय १७ स्वेदन विधि
अध्याय का सारांश2 37
स्वेदन प्रकार 238
ताप स्वेदन 238
उपनाह स्वेद 238
उपनाह बन्धन विधि 238
उष्म स्वेद 239
द्रव स्वेद 239
अवगाह स्वेद 239
स्वेदन विधि 239
काल भेद से 240

दोष भेद से 240
स्थान भेद से 240
अवयव भेद से 240
सम्यक् स्वेदित कर्म 240
स्वेदन का अतियोग 240
स्वेदन एवं स्तम्भन की औषधियां 240
स्तम्भित व्यक्ति के लक्षण 241
अस्वेदी 241
स्वेदन योग्य रोगी 241
अनाग्नेय स्वेद 242
शोधन का परिणाम 242
अध्याय विषय तालिका 243-244
सम्भावित प्रश्न 244
अध्याय १८ वमन विरेचन विधि
अध्याय का सारांश 245-246
शोधन निर्देश 247
वमन योग्य 247
वमन अयोग्य 247
विषादि प्रयुक्त में वमन 248
वमनादि कर्म निषेध 248
विरेचन के अयोग्य 248
विरेचन के योग्य 248
वामक द्रव्य एवं औषध विधि 249
मन्त्र प्रयोग 249
दोष भेद से वमन द्रव्य 250
हीनयोग उपचार 250
अयोग लक्षण 250
अतियोग लक्षण 250
सम्यक् योग लक्षण 250
सम्यक् वमन के पश्चात् कर्म 251
पथ्य एवं विहार 251
पेयादि क्रम निर्देश 251
पेयादि क्रम का फल 251
वमन विरेचन वेग संख्या 252
वमन विरेचन मानक्रम 252
विरेचन क्रम 252
कोष्ठ वर्णन 252
दोषानुरूप विरेचन 252
अप्रवृति एवं अल्प प्रवृति में विरेचन उपाय 253
अस्नेही कोष्ठ वालों के लिए रेचन कर्म 253
रेचन अयोग्य या हीनयोग 253
विरेचन सम्यक योग 253
विरेचन अतियोग 253
विरेचन के बाद कर्तव्य 253
प्रयुक्त भेषज से मन्दाग्नि होने पर लंघन 254
लंघन परिणाम 254
अग्नि मांद्य में पेयादि महत्व 254
अल्प पित्त एवं कफादि निकलनेवालों में पेयादि 254
पक्वाशय दोष निर्हरण 254
पक्व दोषों में भेदनीय प्रयोग 254
मृदु औषध प्रयोग 255
दुर्बल की चिकित्सा 255
अग्निवर्धक शोधन 255
रूक्षादि में विरेचन 255
विषादि से पीड़ित का विरेचन 256
स्नेह स्वेदन से लाभ 256
संशोधन फलश्रुति 256
अध्याय की विषय तालिका 257-258
सम्भावित प्रश्न 258
अध्याय १९ वस्ति विधि
अध्याय का सारांश 259-261
वस्ति परिचय एवं भेद 262
निरूह वस्ति 262
निरुह के अयोग्य 262
अनुवासन के योग्य 263
अनुवासन के अयोग्य 263
दोनों वस्तियों के नेत्र प्रमाण 263
अवस्थानुसार नेत्र प्रमाण 263
नेत्र छिद्र प्रमाण 264
बस्ति यन्त्र 264
निरूहवस्ति मात्रा 265
अनुवासन की मात्रा 265
निरूह से पूर्व आस्थापन 265
अनुवासन काल एवं विधि 265
वस्ति प्रवेश के पश्चात् कर्म 266
स्नेह निकलने का समय एवं कर्तव्य 266
शुण्ठ्यादि प्रयोग 266
अनुवासन का समय 267

निरूह का समय 267
निरूह वस्ति विधि 267
नरूह कल्प 267
वाताधिक्य में स्नेह कल्प वर्णन 267
वस्ति कल्पना विधि 267
निरुह प्रक्रिया 268
अनागत निरूह में कर्तव्य एवं विधि 268
सम्यक निरूह 269
वात पीड़ितों के लिए अनुवासन 269
अनुवासन के सम्यक् योगादि 269
सम्यक् योग दोषानुसार अनुवासन संख्या 269
दोषानुसार पथ्य 270
वात में निरूह द्रव्य 270
पित्त में निरूह द्रव्य 270
कफ में निरूह द्रव्य 270
सन्निपात में वस्ति वस्ति 270
तीन वस्ति देने का मत 270
औषध प्रयोग निर्देश 27130
कर्म वस्तियां 27115
काल वस्तियां 2718
योग वस्तियां 271
अकेली वस्ति निरन्तर नहीं दे 271
यथाविधि विधि वस्ति प्रयोग काल 271
युक्तिपूर्वक देने का फल 271
मात्रा वस्ति 271
स्त्रियों के लिए उत्तर वस्ति 272
पुरुषो में उत्तर वस्ति नेत्र नलिका परिणाम 272
उत्तर वस्ति मात्रा 272
प्रयोग विधि 273
त्तर वस्ति संख्या 273
स्त्रियों में उत्तर बस्ति 273
वस्ति नेत्र परिमाण 273
स्नेह की मात्रा 273
स्नेह वस्ति क्रम 273
स्नेह की मात्रा 273
स्नेह बस्ति क्रम 273
वस्ति के नियम 274
वस्ति दोष रहितताका दृष्टान्त 274
शाखागत रोगों में वायु की प्रधानता 274
वात वृद्धि में वस्ति 274
वस्ति की श्रेष्ठता 274
अध्याय की विषय तालिका 275-276
सम्भावित प्रश्न 277
अध्याय २० नस्य विधि
अध्याय का सारांश 278
नस्य की विशेषता 279
नस्य के भेद 279
विरेचन नस्य 279
बृंहण नस्य 279
शमन नस्य 279
विरेचन नस्य औषध 279
बृंहण नस्य औषध 280
शमन नस्य औषध 280
नस्य प्रकार 280
वपीड़न नस्य 280
प्रधमन प्रयोग विधि 280
नस्य परिणाम 280
नस्य के अयोग्य 281
नस्य काल 281
दोषानुसार नस्यकाल 281
नस्य प्रयोग क्रम 281
पश्चात्कर्म 282
नस्य में मूर्च्छा आने पर 282
सम्यक् स्नेह नस्य लक्षण 28
हीन योग के लक्षण 282
अति स्निग्ध के लक्षण 282
सुविरित्त एवं दुर्विरिक्त के लक्षण 283
प्रतिमर्शनस्य प्रयोग 283
प्रतिमर्श निषेध 283
प्रतिमर्श योग्यकाल 283
नस्यादि की अवस्था भेद विधि 284
प्रतिमर्श एवं वस्ति कर्म की श्रेष्ठता 284
प्रतिमर्श में तैल की श्रेष्ठता 284
दोनो (मर्श प्रतिमर्श) में भेद 284
अणु तैल 285
अणु नस्य सेवन का फल 285
अध्याय की विषय तालिका 286-287
सम्भावित प्रश्न 287

अध्याय २१ धूमपान विधि
अध्याय का सारांश 288
धूमपान का गुण 289
धूमपान भेद तथा 289
दोषानुसार प्रयोग 289
धूमपान के अयोग्य 289
मिथ्या योग से हानि 289
धूमपान का काल 289
धूमपान नलिका 290
धूमपान विधि 290
नासा द्वारा पीने का कारण 290
धूम ग्रहण एवं छोड़ना 290
स्निग्धादि धूमपान 291
मृदु धूम के द्रव्य 291
शमन धूम के द्रव्य 291
तीक्ष्ण धूम के द्रव्य 291
धूमवर्ती 292
कास रोगी हेतु धूमपान विधि 292
धूमपान का फल 292
अध्याय विषय तालिका 292-293
सम्भावित प्रश्न 293
अध्याय २२ गण्डूषादि विधि
अध्याय का सारांश 294-295
गण्डूष भेद एवं योग 296
स्नग्धत तथा शमन गण्डूष 296
शोधन एवं रोपण गण्डूष 296
गण्डूष में प्रयुक्त स्नेहादि द्रव्य 297
वातज मुखरोगहर गण्डूष 297
पित्तज मुख रोगहर गण्डूष 297
मधु गण्डूष 297
धान्याम्ल गण्डूष 297
क्षाराम्बु गण्डूष 297
कवोष्ण गण्डूष 298
गण्डूष धारण विधि तथा समय 298
गण्डूष कवल में भेद 298
कवल साध्य रोग 298
प्रतिसारण 298
मुख पर त्रिविधि लेप 298
दोष शामक 298
विषनाशक 298
वर्णकारक 298
मुख लेप प्रमाण 298
उतारने की विधि 299
लेप में वर्जित 299
अयोग्य पुरुष 299
मुखालेप से लाभ 299
छः लेप योग ऋतु अनुसार 299
नित्य लेप का फल 300
मस्तक पर लगाने योग्य तैल 300
दोषानुसार चतुर्विध तैल 300
तैलाभ्यंग से 300
सेचन से 300
पिचु से 300
शिरोबस्ति 300
शिरोबस्ति विधि 300
वस्ति सेवन नियम 301
कर्णपूरण 301
मात्रा काल का प्रमाण 301
शिरः तैल का प्रयोग फल 301
अध्याय विषय तालिका 302-303
सम्भावित प्रश्न 304
अध्याय २३ आश्च्योतन अञ्जन विधि
अध्याय का सारांश 305
आश्च्योतन से लाभ 306
दोषानुसार आश्चोतन 306
आश्चोतन विधि 306
अत्युष्णआश्चोतन से हानि 306
आश्चोतन के फल 307
अंजन प्रयोग 307
अंजन के भेद 307
लेखन अंजन 307
रोपण अंजन 307
प्रसादन अंजन 307
अंजन प्रयोग 307
अंजन शलाका 308
अंजन की कल्पना भेद 308
तीक्ष्ण चूर्णों का प्रमाण 308
अंजन निमेष काल 308

अन्य आचार्यों का मत एवं अपवाद 308
इस विषयक उदाहरण 309
अतिशीत में निषेध 309
अंजन के अयोग्य 309
अयोग्य अंजन 309
अंजन विधि एवं कर्तव्य 310
नेत्र प्रक्षालन विधि 310
नेत्र शोधन प्रक्रिया 310
अध्याय विषय तालिका 311
सम्भावित प्रश्न 312
अध्याय २४ तर्पण पुटपाक विधि
अध्याय का सारांश 313–314
नेत्र तर्पण के योग्य 315
नेत्र तर्पण विधि 315
वासादि प्रयोग 316
औषध तर्पण धारण समय 316
अपांग में द्वार आदि 316
दोषानुसार तर्पण 316
तृप्त के लक्षण 316
पुटपाक विधि 316
वातादि दोषों में पुटपाक 317
स्नेह पुटपाक द्रव्य 317
लेखन पुटपाक 317
प्रसादन पुटपाक 317
पुटपाक प्रक्रिया 317
पुटपाक काल 318
पश्चात् कर्म 318
तर्पण पुटपाक के अयोग्य 318
संसर्जन कर्म 318
नेत्र बल हेतु कर्तव्य 318
अध्याय विषय तालिका 319–320
सम्भावित प्रश्न 320
अध्याय २५ यन्त्रविधि
अध्याय का सारांश 321
यन्त्र विवरण 322
यन्त्र स्वरूप 322
स्वस्तिक यन्त्र 322
संदंश यन्त्र 323
लघु संदंश 323
मुचुण्डी यन्त्र 323
ताल यन्त्र 323
नाडी यन्त्र 324
कुछ नाड़ी विशेष 324
शल्य निर्घातनी नाडी 324
अर्शोयन्त्र 324
शमी यन्त्र 325
भगन्दर यन्त्र 325
नासा यन्त्र 325
अंगुलीत्राण यन्त्र 325
योनिव्रणेक्षय यन्त्र 325
व्रणाभ्यंग एवं प्रक्षालन यन्त्र 325
जलोदर यन्त्र 326
नलिका यन्त्र 326
नलिका यन्त्र 326
धूमादि यन्त्र 326
श्रृंगयन्त्र 326
अलाबू 326
घटी यन्त्र 326
शलाका यन्त्र 326
षड़विधशंकु यन्त्र 327
वडिस 327
गर्भशंकू यन्त्र 327
सर्पफल यन्त्र 327
प्रमार्जनी शलाका 327
कर्णशोधनी शलाका 327
शल्यादि का प्रयोग 328
अन्य शलाका 328
नासार्बुद दाहक 328
क्षार लगाने की शलाका 328
मेढ्र शोधनादि यन्त्र 328
अनुयन्त्र 328
यन्त्रों के कर्म 328
कंकमुख की प्रधानता 329
अध्याय की विषय तालिका 329–330
सम्भावित प्रश्न 330
अध्याय २६ शस्त्र विधि
अध्याय का सारांश 331
शस्त्र संख्या 332

मण्डलाग्र शस्त्र	333
वृद्धिपत्र	333
उत्पल एवं अर्धधार शस्त्र	333
सर्पास्य	333
एषणी शस्त्र	333
सूचीमुखादि शस्त्र	333
बेतस पत्र	333
शरारीमुख त्रिकूर्चक	333
कुशपत्र, आटीमुख	334
अन्तर्मुख	334
अर्धचन्द्रमुख	334
ब्रीहिमुख	334
कुठारी	334
ताम्रशलाका	334
अंगुली शस्त्र	334
वडिश शस्त्र	334
करपत्र	334
कर्तरी	335
नखशस्त्र	335
दन्त लेखन शस्त्र	335
सूची शस्त्र	335
कूर्च	336
खज	336
कर्णव्यधन या यूथिका शस्त्र	336
आराशस्त्र	336
अनुशस्त्र	336
शस्त्रों के कर्म	336
शस्त्र दोष	337
शस्त्र ग्रहण विधि	337
शस्त्र कोष	337
जलौका वर्णन	337
सविष जलौका निषेध	338
सविषों के विकारों की चिकित्सा	338
निर्विष जौंक	338
नर्विषों में त्याज्य जौंक	338
जलौका लगाने की विधि	338
दुष्ट रक्त ग्रहण विधि	339
जौंक छुडाने की विधि	339
रक्तपान के बाद पुनः रक्तपान निषेध	339
असम्यक् वमन	339
जौंक रखने के नियम	339
स्राव के पश्चात् कर्तव्य	340
दुष्ट रक्त निकलने से लाभ	340
अशुद्ध रक्त पुनः स्रावण	340
अलाबू घटिका प्रयोग	340
दूषित रक्त में श्रृंग प्रयोग	340
प्रच्छान विधि	340
रक्त में पिण्डादि भेद से प्रच्छान	341
उष्णघृत सेचन	341
अध्याय विषय तालिका	341-345
सम्भावित प्रश्न	345
अध्याय २७ सिरा व्यध विधि	
अध्याय का सारांश	346
शुद्ध रक्त स्वरुप	347
रक्त दुष्टि के कारण	347
दूषित रक्त से रोग	347
दूषित रक्त उपचार	347
सिरावेध के अयोग्य	348
रोगानुसार सिरावेध	348
शिरो एवं नेत्र रोग में	348
कर्ण एवं नासा रोग में	349
पीनस रोग में	349
मुख रोग में	349
जत्रूर्ध्व में	349
उन्माद में	349
अपस्मार में	349
विद्रधि एवं पार्श्व शूल	349
तृतीयक ज्वर में	349
चातुर्थिक ज्वर में	349
प्रवाहिका में	349
शुक्र एवं सेहन रोगों में	349
गलगण्ड में	349
गृध्रसी में	349
अपची में	349
सक्थी वेदना में	349
क्रोष्टुक शीर्ष में	349
विश्वाची में	349
सिराज्ञान नहीं होने पर	349

सिरावेधन से पूर्व कर्तव्य 350
सिरा यन्त्रण विधि 350
ताड़न विधि 350
उपनासा सिरावेध 350
जिह्वासिरावेध 350
ग्रीवाश्रित सिरावेध 351
ग्रीवा सिरावेध 351
हस्त सिरावेध 351
पार्श्व सिरावेध 351
मेढ्र सिरावेध 351
पाद सिरावेध 351
सम्यक् वेधन लक्षण 352
दुर्विद्ध लक्षण 352
अतिबिद्ध लक्षण 352
रक्तस्राव नहीं होने के कारण 352
असम्यक् सम्यक् रक्त स्राव 352
मूर्च्छा में कर्तव्य 353
वातादि दूषित रक्त लक्षण 353
अतिशय रक्त स्राव में कर्तव्य 353
पश्चात कर्म 353
अशुद्ध रक्त पुनः स्रावण 354
रक्त रोधन में स्तम्भन क्रिया 354
पश्चात् कर्म 354
अग्नि रक्षा की आवश्यकता 354
विशुद्ध रक्त का लक्षण 355
अध्याय विषय तालिका 355-356
सम्भावित प्रश्न 357
अध्याय २८ शल्याहरण विधि
अध्याय का सारांश 358
शल्यों की गति 359
अन्तःशल्य लक्षण 359
त्वगादिगत शल्य लक्षण 359
मांसगत शल्य लक्षण 359
पेशीगत शल्य लक्षण 359
स्नायु सिरागत शल्य लक्षण 360
स्रोतोगत शल्य लक्षण 360
धमनीगत शल्य लक्षण 360
अस्थि सन्धिगत लक्षण 360
कोष्ठगत शल्य लक्षण 360
मर्मस्थलगत शल्य लक्षण 360
त्वगादि शल्य ज्ञान के उपाय 360
शल्य रोहण 361
पीड़ा से ज्ञान 361
नष्ट शल्य परीक्षा 361
मांस में नष्ट शल्य 361
सन्धि में नष्ट शल्य 361
स्नायु सिरादि में नष्ट शल्य 361
नष्ट शल्य मर्म स्थान 362
नष्ट शल्य सामान्य लक्षण 362
अदृश्य शल्य ज्ञान 362
शल्य निकालने का क्रम 362
अनिर्धातनीय शल्य 362
नहीं निकालने योग्य शल्य 362
हाथ से शल्य निकालना 363
अदृश्य शल्य निकालना 363
त्वचादि शल्य में संदंश 363
सिरा स्नायुगत शल्य निकालना 363
हृदयगत शल्य निकालना 363
अस्थिगत शल्याहरण 364
कठिन शल्य निकालना 364
शल्याहरण में वृक्षशाखा प्रयोग 364
दुर्बल शल्याहरण 364
फूले शल्य को निकालना 364
कर्णिका युक्त शल्य 364
पक्वाशयगत शल्य 365
दुष्टवातादि का निर्हरण 365
कण्ठगत शल्य 365
लाख मोम आदि से शल्य निकालना 365
कण्ठगत मत्स्य कण्टकादि शल्य 365
कण्ठगत ग्रास आदि शल्य 365
नेत्र एवं व्रण शल्य 366
उदरगत जल शल्याहरण 366
जल भरे कर्ण की चिकित्सा 366
कान का कीट निकालना 366
जतुशादि शल्य 366
मिट्टी बांस आदि का शल्य 366
मांस में छिपा शल्य 367
ज्ञानपूर्वक शल्य निकालने 367

सम्भावित प्रश्न 367
विषय तालिका 368
अध्याय २९ शस्त्र कर्म विधि
अध्याय का सारांश 369
व्रणशोफ उपचार 370
आम शोफ लक्षण 370
पच्यमान व्रण शोथ लक्षण 370
पक्व व्रण शोथ काल में दोष प्रक्रिया 371
विकृत व्रण लक्षण 371
रक्तपाक के लक्षण 371
व्रण दारण एवं पाटन विधि 371
आम शोथ छेदन से उपद्रव 371
अन्तस्थ पूय से विकृति 372
आम एवं पक्व शोथ छेदनया उपेक्षा में अज्ञानता 372
शस्त्रोपचार से पूर्व कर्तव्य 372
शस्त्र क्रिया विधि 372
पाटन परिणाम 373
शस्त्र कर्म में वैद्य की प्रशंसा 373
स्थान विशेष से छेदन 373
उत्तर कर्म 373
पट्टी आदि के लक्षण 374
व्रण रक्षार्थ कार्य 374
रक्षा की औषध 374
पथ्य उपचार 374
शस्त्र कर्म के बाद त्याज्य कर्म 374
आहारादि ग्रहण 375
समुचित परिणाम में भोजन 375
व्रण में अपथ्य 375
तीक्ष्ण मद्य निषेध 375
व्रणी के लिए करणीय 376
व्रण प्रक्षालन एवं पट्टी परिवर्तन 376
अतिस्निग्धवर्ती प्रयोग निषेध 376
अतिस्नेह से हानि 376
वर्ती लगाने का कारण 376
अपक्व व्रण में छेदन पर कर्तव्य 377
सद्योव्रण की चिकित्सा 377
सीवन के अयोग्य 377
सीवन विधि एवं पूर्वकर्म 377
सीवन के पश्चात् कम 378
रक्तहीन व्रण सीवन प्रकार 378
व्रण बन्ध विधि 378
बन्धनों के नाम आकार एवं प्रकार 378
15 व्रण प्रकार 379
व्रण पर बन्ध नहीं करने से हानि 380
व्रण बन्धन से लाभ 380
स्थिर व्रणों पर पत्राछादन 380
बन्धन निषेध 380
मक्खियों आदि से हानि एवं उपचार 381
दूषित व्रणों का शीघ्र रोपण निषेध 381
रोपित व्रणों में त्याज्य कर्म 381
वैद्य का कर्तव्य 381
सम्भावित प्रश्न 382
अध्याय की विषय तालिका 383-384
अध्याय ३० क्षार अग्नि कर्म
अध्याय का सारांश 385-386
क्षारकर्म की श्रेष्ठता 387
क्षार प्रकार 387
प्रतिसारणीय क्षार प्रयोग 387
क्षार के अयोग्य 388
मध्यम क्षार निर्माण विधि 388
क्षार गलन विधि 389
मृदु क्षार 389
तीक्ष्णक्षार 389
मध्यम क्षार प्रयोग 389
मृदुक्षार प्रयोग 390
दशगुणयुक्त क्षार की श्रेष्ठता 390
क्षार प्रयोग विधि 390
नेत्र पर क्षार प्रयोग 391
नसार्बुद में लेप 391
कान के अर्श में प्रयोग 391
क्षार कर्म के पश्चात् कर्म 391
क्लेदनार्थ आहार 391
क्षारदग्ध पर आलेपन प्रकार 391
क्षार दग्ध व्रण चिकित्सा 391
सम्यक् दग्ध के लक्षण 391
दुर्दग्ध का लक्षण 392
अतिदग्ध के लक्षण 392
अतिदग्ध के उपद्रव 392

नासादि में अतिदग्ध के लक्षण 392
अतिदग्ध में उपचार 392
कांजी आदि में निर्वापण 392
अग्नि कर्म 392
अग्निकर्म की श्रेष्ठता 392
वगादि में अग्नि दग्ध प्रयोग 393
मसकादि पर अग्नि दग्ध 393
अर्शादि में मांस दग्ध 393
श्लिष्टादि में सिरादि दाह 393
अग्नि दग्ध के अयोग्य 393
सम्यक् दग्ध में कर्तव्य 393
सुदग्ध लक्षण 393
दुर्दग्धादि लक्षण 394
दग्ध प्रकार 394
तुत्थ दग्ध लक्षण 394
दुर्दग्ध 394
विदग्ध 394
तुत्थ दग्ध चिकित्सा 394
दुर्दग्ध चिकित्सा 394
सम्यक् दग्ध उपचार 394
अति दग्ध चिकित्सा 394
स्नेह दग्ध में कर्तव्य 394
सूत्र स्थान की समाप्ति 394
अध्याय की विषय तालिक 1395-396
सम्भावित प्रश्न 396